श्री कालीमाता की आरती

मंगल की सेवा सुन मेरी देवा, हाथ जोड तेरे द्वार खडे।

पान सुपारी ध्वजा नारियल ले ज्वाला तेरी भेट धरे।

सुन जगदम्बे न कर विलम्बे, संतन के भडांर भरे।

सन्तन प्रतिपाली सदा खुशहाली, जै काली कल्याण करे ।।

बुद्धि विधाता तू जग माता ,मेरा कारज सिद्व रे।

चरण कमल का लिया आसरा शरण तुम्हारी आन पडे

जब जब भीड पडी भक्तन पर, तब तब आप सहाय करे ।। सन्तन प्रतिपाली...

बार-बार सकल जग मोहयो, तरूणी रूप अनूप धरे

माता होकर पुत्र खिलावे, कही भार्या भोग करे

संतन सुखदाई सदा सहाई संत खडे जयकार करे ।। सन्तन प्रतिपाली...

ब्रह्मा विष्णु महेश फल लिये भेट तेरे द्वार खडे

अटल सिहांसन बैठी माता, सिर सोने का छत्र फिरे

वार शनिचर कुकम बरणी, जब लुंगड़ पर हुकुम करे ।। सन्तन प्रतिपाली...

खड्ग खप्पर त्रिशुल हाथ लिये, रक्त बीज को भस्म करे

शुम्भ निशुम्भ को क्षण मे मारे ,महिषासुर को पकड दले ।।

आदित वारी आदि भवानी ,जन अपने को कष्ट हरे ।। सन्तन प्रतिपाली...

www.totalbhakti.com

कुपित होकर दानव मारे, चण्डमुण्ड सब चूर करे

जब तुम देखो दया रूप हो, पल मे सकंट दूर करे

सौम्य स्वभाव धरयो मेरी माता ,जन की अर्ज कबूल करे ।। सन्तन प्रतिपाली...

सात बार की महिमा बरनी, सब गुण कौन बखान करे

सिंह पीठ पर चढी भवानी, अटल भवन मे राज्य करे

दर्शन पावे मंगल गावे ,सिद्ध साधक तेरी भेट धरे ।। सन्तन प्रतिपाली...

ब्रह्मा वेद पढे तेरे द्वारे, शिव शंकर हरी ध्यान धरे

इन्द्र कृष्ण तेरी करे आरती, चॅवर कुबेर डुलाय रहे

हे जगदम्बे मातु भवानी , अटल भवन मे राज्य करे।।

सन्तन प्रतिपाली सदा खुशहाली, मैया जै काली कल्याण करे।।

www.totalbhakti.com